

## Vedanta to Invest ₹1 Lakh cr Across Zinc, Oil and Gas Ops in Rajasthan

Our Bureau

**Mumbai:** Vedanta on Saturday announced an investment of ₹1 lakh crore in Rajasthan to expand its oil and gas, zinc and renewable energy businesses in the state. The investment is expected to create more than 200,000 jobs in Rajasthan, said the company controlled by billionaire Anil Agarwal. Vedanta did not give a timeframe for the proposed investment.

Of the total, ₹30,000 crore will be spent towards expanding production capacity of zinc to 2 million tonnes each year, and that of silver to 2,000 tonnes. Hindustan Zinc, majorly owned by the company, is the country's largest producer of zinc and silver. Vedanta will also be setting up a 1 million tonne fertiliser plant. While Cairn Oil and Gas will invest ₹35,000 crore to increase capacity, Serentica Renewables will



be investing ₹50,000 crore to develop a renewable power capacity of 10,000 MW.

“Rajasthan is one of the few states which has hydrocarbons and a vast number of critical minerals such as zinc, lead, silver, gold, copper, potash, rock phosphate, marble, different types of high-quality stones, and others,” chairman Anil Agarwal said. “Hindustan Zinc and Cairn will lead exploration efforts across each of these minerals, providing investments, setting up manufacturing & processing plants, creating smelters and recovering shale gas and tight oil,” he said.

On Friday, Vedanta announced investing ₹1 lakh crore in Odisha as well to build an alumina refinery of 6 million tonnes and an aluminium plant of 3 million tonnes. Vedanta is the largest producer of aluminium in the country, and operates a 3.5-million-tonne per year alumina refinery at Lanjigarh in the state.

## HPCL gets CSR Journal Excellence Awards 2024

Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL) has earned widespread recognition for its exemplary Corporate Social Responsibility (CSR) efforts, solidifying its position as a leader in sustainable community development.

The company's dedication to social responsibility has been acknowledged through numerous prestigious awards. HPCL's commitment to education was recognised at The CSR Journal Excellence Awards 2024, where the company received the 1st Runner-up Award in the 'Education & Skill Training' category for Project Kashmir Super 50.

Rajeev Goel, Executive Director-CSR & PRCC, accepted the award on behalf of HPCL. The Mahatma Award 2024 for CSR Excellence (Overall) was bestowed upon HPCL, underscoring its comprehensive approach to CSR.

HPCL's Project Kashmir Super 50, conducted in partnership with the Indian Army,



has garnered: Platinum 5-Star Trophy at the WSO India OHS&E Awards 2024, 1st Runner-Up at The CSR Journal Excellence Awards, 2nd Runner-Up at AIMA's Business Responsibility Summit. At the CSR Health Impact Awards 2024, HPCL's initiatives earned: Gold Award for Project Nourish, providing nutritional support to children in the Nilgiris region.

Silver Award for Swachhata Pakhwada 2023, promoting environmental sustainability.

Silver Award for Project Dhanwantari's mobile medical units, expanding healthcare access in underserved areas.

# Outlook uncertain

**CRUDE CHECK.** Traders can stay out for now

**Akhil Nallamuthu**

bl. research bureau

Crude oil prices saw a sharp decline over the past week.

Brent crude oil futures on the Intercontinental Exchange (ICE) lost 7.4 per cent and ended the week at \$73.1 per barrel. Similarly, the crude oil futures on the MCX was down 7.7 per cent and it closed the week at ₹5,839 a barrel.

## **BRENT FUTURES (\$73.1)**

Brent Crude futures dropped through last week and marked a low of \$72.5 on Friday before ending the session at \$73.1. Although it slipped below \$75, the contract has a series of supports ahead. The nearest one is \$72. Below that the price region between \$68 and \$70 appears to be a good demand zone. Only a breach of \$68 will bring back the bear trend. That said, the Brent crude futures do not have it easy. Above the immediate resistance at \$75, there is a crucial barrier at \$82. The contract should surpass this level to establish the next leg of the uptrend.

## **MCX-CRUDE OIL (₹5,839)**

The November crude oil futures fell below the key support at



GETTY IMAGES/ISTOCKPHOTO

₹6,000 to mark an intraweek low of ₹5,757 on Friday.

By wrapping up the week at ₹5,839, it has managed to close above a trendline support at ₹5,760.

Below ₹5,760, there are notable support levels at ₹5,650 and ₹5,500. In case crude oil futures slip below ₹5,500, it can lead to another leg of downtrend. But until then, the bears are not expected to dominate.

Neither the bulls can take charge as there are barriers ahead. While the nearest resistance is at ₹6,000, only a clear breach of ₹6,400 can pave the way for the bulls to launch a new uptrend.

**Trade strategy:** Crude oil futures is stuck between key support and resistance levels. So, we suggest staying out for now.

# तेजी से बढ़ रहा पेट्रोकेमिकल सेक्टर देश में आएगा 87 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसी): भारत में पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। देश में इन प्रोडक्ट्स की सालाना खपत करीब 30 मिलियन मीट्रिक टन है। इसमें भविष्य में और इजाफा आएगा। अभी पेट्रोकेमिकल सेक्टर करीब 220 अरब डॉलर का है। इसके 2025 तक 300 अरब डॉलर का हो जाने की संभावना है।

डिमांड बढ़ने के साथ ही इसके 2040 तक तीन गुना होकर 1 ट्रिलियन डॉलर का हो जाने की संभावना है। साथ ही एक दशक में पेट्रोकेमिकल सेक्टर में करीब 87 अरब डॉलर का निवेश भी आने की संभावना है।

## बढ़ते मिडिल क्लास के साथ बढ़ रही डिमांड

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को मुंबई में आयोजित इंडिया केम इवेंट में कहा कि देश में मिडिल क्लास बढ़ रहा है। इसकी वजह से पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है। अभी देश में प्रति व्यक्ति पेट्रोकेमिकल खपत विकसित देशों से काफी कम है। उन्होंने कहा कि इस सेक्टर में अभी निवेश के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यही वजह है कि भारत, चीन और मिडिल ईस्ट अभी भी अपने यहां पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन की क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। उधर, दुनिया के कई देश क्लीन एनर्जी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं।

## पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट कंपनियों भी बढ़ाएंगी निवेश

हरदीप सिंह पुरी के अनुसार ऑयल सेक्टर में काम करने वाली पब्लिक सेक्टर कंपनियां भी अपना



निवेश बढ़ा रही हैं। इनमें ओ.एन.जी.सी. और बी.पी.सी.एल. शामिल हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर की हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स भी करीब 45 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही है। उन्होंने कहा कि देश को अभी इस सेक्टर में 100 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत

है। साथ ही हम अपना कार्बन उत्सर्जन कम करने पर भी काम कर रहे हैं। देश में क्लीन एनर्जी को भी जमकर बढ़ावा दिया जा रहा है।

## देश के पेट्रोकेमिकल्स प्रोडक्शन में हो रहा इजाफा

उन्होंने कहा कि साल 2030 तक देश का पेट्रोकेमिकल्स प्रोडक्शन 29.62 मिलियन टन से बढ़कर 46 मिलियन टन हो जाएगा। हम पेट्रोलियम, कैमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स इनवैस्टमेंट रोजन, प्लास्टिक पार्क और टैक्सटाइल पार्क पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एफ.डी.आई. बढ़ाने पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है। साल 2025 तक हमें 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश करना है।

## एशिया में तीसरा सबसे बड़ा कैमिकल उत्पादक देश

भारत में कैमिकल की सालाना खपत 25 से 30 मिलियन टन है, जो कि प्रति व्यक्ति हिसाब से दुनिया के विकसित देशों से काफी कम है। इस कारण कैमिकल सेक्टर में विकास की प्रबल संभावनाएं हैं।

ग्लोबल लैवल पर भारत दुनिया का छठा और एशिया में तीसरा सबसे बड़ा कैमिकल उत्पादक देश है। भारत की ओर से कैमिकल का निर्यात 175 से अधिक देशों को किया जाता है।

# बीपीसीएल की मुंबई रिफाइनरी में स्वदेशी एफसीसी बॉटम्स क्रैकिंग एडिटिव का वाणिज्यिक उपयोग शुरू

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने मुंबई रिफाइनरी में अपने स्वदेशी रूप से विकसित एफसीसी बॉटम्स क्रैकिंग एडिटिव, 'भारत बीसीए' का वाणिज्यिक उपयोग शनिवार को शुरू कर दिया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नवाचार बीपीसीएल की टिकाऊ और लागत

प्रभावी रिफाइनिंग तकनीक के प्रति प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीपीसीएल के कॉर्पोरेट अनुसंधान और विकास केंद्र (सीआरडीसी) द्वारा विकसित भारत बीसीए उत्प्रेरक बॉटम्स को उच्च-मूल्य वाले हल्के उत्पादों में बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह नवाचार परिचालन दक्षता में सुधार और रिफाइनिंग प्रक्रिया में लागत को कम करके महत्वपूर्ण वित्तीय मुंबई रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक अभय राज भंडारी ने कहा, 'भारत बीसीए का व्यावसायीकरण बीपीसीएल की अग्रणी नवाचार और संधारणीय प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह सफलता न

केवल हमारी रिफाइनरी को लाभान्वित करेगी, बल्कि पूरे उद्योग पर इसका दूरगामी



■ यह नवाचार बीपीसीएल की टिकाऊ और लागत प्रभावी रिफाइनिंग तकनीक के प्रति प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम

प्रभाव भी पड़ेगा क्योंकि हम लागत-प्रभावी, पर्यावरण-अनुकूल समाधानों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।' भारत बीसीए की शुरुआत बीपीसीएल द्वारा को दहन प्रमोटर एडिटिव, गैसोलीन सल्फर रिडक्शन उत्प्रेरक और एलओबीएस उत्प्रेरक सहित अन्य स्वदेशी उत्प्रेरकों के सफल विकास के बाद हुई है।



पेट्रोल और  
डीजल की  
कीमतें  
स्थिर

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

## पेट्रोकेमिकल सेक्टर का आकार 2025 तक बढ़कर 300 अरब डॉलर हो जाएगा: पुरी

नई दिल्ली। भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 2025 तक बढ़कर 300 अरब डॉलर का हो सकता है। मौजूदा समय में यह 220 अरब डॉलर पर है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बयान दिया। 'इंडिया केम 2024' के दौरान 'पेट्रोकेमिकल पर गोलमेज सम्मेलन' को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2040 तक केमिकल की मांग लगभग तीन गुना होने का अनुमान है और भारत की पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। केमिकल इंडस्ट्री भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग 6 प्रतिशत है और इससे 50 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारत में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अगले दशक में 87 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आने का अनुमान है, जो वैश्विक पेट्रोकेमिकल वृद्धि का 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है।'